Naidunia (Indore), 06th February 2025, Page- 02

विद्या समागम

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों को आइआइटी इंदौर में पढ़ने का मिला अवसर

बीई-बीटेक के विद्यार्थियों के लिए खुले शोध के रास्ते

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : मध्य प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कालेजों के बीई व बीटेक विद्यार्थियों के लिए अंतिम सेमेस्टर आइआइटी इंदौर में पूरा करने के लिए विद्या समागम नामक अंडरग्रेजुएट इनबाउंड प्रोग्राम की शुरुआत की गई थी, जिसकी दो बैच पूर्ण हो चुकी है। राज्य सरकार और आइआइटी इंदौर के बीच हुए एक समझौते के माध्यम से यह सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों को उक्त अवसर दिया जाता है। विद्यार्थी सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, दूरसंचार इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, पदार्थ विज्ञान, मेक्ट्रोनिक्स और मेटलर्जी जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों में से कोई भी विकल्प चुन सकते हैं। पहले बैच में प्रदेश के विभिन्न सरकारी इंजीनियरिंग कालेजों के आठ छात्राओं सहित 23 विद्यार्थी और दूसरे बैच में सात छात्राओं सहित 17 विद्यार्थी शामिल थे।

आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर और छात्र। • नईदुनिया

- आइआइटी इंदौर में अंडर ग्रेजुएट इनबाउंड प्रोग्राम की शुरुआत
- प्रोग्राम में पहली और दूसरी बैच में 40 विद्यार्थी हुए शामिल

पहले बैच से फीडबैक बहुत सकारात्मक रहा है। आइआइटी इंदौर में प्रतिस्पर्धी परिवेश और इंटरैक्टिव कक्षा सत्रों ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। शोध के लिए प्रोत्साहन और संकाय सदस्य से मिले मार्गदर्शन ने मेरे करियर के लिए कई रास्ते खोले हैं।

– खुशी, छात्रा

आइआइटी इंदौर महत्वपूर्ण विचार और समस्या समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है और अब हम उन सभी योग्य युवाओं के लिए अनूठा अवसर प्रदान कर रहे हैं जो आइआइटी में अपनी जगह नहीं बना पाए। यह प्रोग्राम टीमवर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है, जिससे आने वाले छात्र समूह परियोजनाओं, हैकथान और नवाचार चुनौतियों पर आइआइटी के साथियों के साथ सहयोग करने में सक्षम होते हैं।

– प्रो. सुहास जोशी
निदेशक, आइआइटी इंदौर

विद्या समागम को करियर में उन्नति और उच्च शिक्षा के अवसरों के द्वार खोलने के लिए डिजाइन किया गया है। इस प्रोग्राम के माध्यम से विद्यार्थियों को आइआइटी इंदौर के विश्व स्तरीय शैक्षणिक परिवेश, गतिशील परिसर और उन्नत शोध सुविधाओं से अवगत कराया गया। इस प्रोग्राम की खास बात यह है कि इसमें आइआइटी के प्रतिष्ठित संकाय सदस्य के साथ नई शोध परियोजनाओं पर सहयोग करने का अवसर मिलता है। विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग, संधारणीय ऊर्जा और उन्नत पदार्थ जैसे विषयों पर प्रयोगशालाओं में काम करने के मौके दिए जाते हैं। साथ ही उन्हें उद्योग जगत के लोगों के साथ विचार विमर्श, करियर विकास कार्यशालाओं और स्नातकोत्तर अध्ययन पर मार्गदर्शन से लाभ मिलेगा। इस प्रोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र आइआइटी इंदौर के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए एमएस (रिसर्च) और पीएचडी की डुअल (दोहरी) डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।